RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-03
March-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com[UGC Listed Journal]

भोजपुर जिला में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप

डॉ0 उमेश कुमार त्यागी

भूगोल विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

भूमिका

किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या एवं उनकी गुणवत्ता को मानव–संसाधन कहा जाता है। आर्थिक संसाधनों की तरह मानव भी एक महत्वपूर्ण संसाधन है। वास्तव में मानव ही प्राकृतिक संसाधनों को उपयोगी बनता है। कोई भी वस्तु जब तक आर्थिक संसाधन नहीं बनती तब तक उसका आर्थिक उपयोग न हो। मनुष्य अपनी बुद्धि तथा तकनीकी ज्ञान के आधार पर उस वस्तु को संसाधन के रूप में उपयोग में लाता है। इस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का विकास उसका उपयोग एवं उपभोग स्वयं मानव करता है। अतः जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व, साक्षरता एवं शिक्षा का स्तर, आयु एवं लिंग–संरचना तथा कार्य क्षमता किसी क्षेत्र के आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। सामाजिक आर्थिक विकास के विभिन्न आयामों का संरचना का स्वरूप जनसंख्या द्वारा ही निर्धारित होता है। जनसंख्या अपनी मात्रात्मक एवं गुणात्मक विशेषताओं के अनुसार किसी क्षेत्र विशेष के लिए वरदान अथवा अभिशाप सिद्ध हो सकती है। जनसंख्या की सामाजिक आर्थिक और धार्मिक संरचना उसे एक संसाधन के रूप में विकसित करती है। मानव संसाधन की उत्कृष्ट क्षमता ही विकास के द्वार की प्रथम कुन्जी है, फलस्वरूप सम्पूर्ण मानव को उत्कृष्ट संसाधन मानते हैं।

सामान्यतः किसी स्थान विशेष के भौगोलिक अध्ययन के परिप्रेक्ष्य में जनसंख्या एवं तत्सम्बन्धित विशेषताओं का अध्ययन एक महत्वपूर्ण पक्ष होता है। जनसंख्या वितरण, जनसंख्या गत्यात्मकता का महत्वपूर्ण तथ्य है। किसी क्षेत्र में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले अनेक भौतिक एवं सांस्कृतिक कारक विद्यमान होते है, फलस्वरूप जनसंख्या वितरण में असमानता उत्पन्न होती है। प्रायः जनसंख्या का किसी क्षेत्र में अधिक संख्या में निवास करना क्षेत्र में अनुकूल दशाओं के होने का द्योतक है, साथ–साथ ये दर्शायें जनसंख्या वितरण तथा धनत्व को भी प्रभावित करती है।

अध्ययन क्षेत्र

भोजपुर जिला 25^0 10 उत्तरी अक्षांश से 25^0 40 उत्तरी अक्षांश एवं 83^0 45 पूर्व से 84^0 45 पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। इसके उत्तर में गंगा नदी प्राकृतिक सीमा, दक्षिण में रोहतास, पूर्व में पटना एवं सोन नदी, पश्चिमी में बक्सर जिला अवस्थित है। शाहाबाद जिला जिसका मुख्यालय आरा था, 1973 ई0 में दो जिले में विभाजित हुआ–भोजपुर एवं रोहतास। भोजपुर का मुख्यालय आरा एवं रोहतास का मुख्यालय सासाराम है। 1992 ई0 पुनः भोजपुर का विभाजन बक्सर और वर्त्तमान भोजपुर जिला के रूप में हुआ। शाहाबाद के विभाजन होने से पहले इसका क्षेत्रफल 11,320 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 39,39,034 (1971 के जनगणना के अनुसार) भोजपुर जिला का क्षेत्रफल 2395 वर्ग किलोमीटर है। इसकी जनसंख्या 27,20,155 (2011 के जनगुणना के अनुसार) है। यहाँ जनसंख्या का औसत घनत्व 1136 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। यह एक घनी आबादी वाला जिला है। भोजपुर जिला में 1217 गाँव हैं, जिसमें 993 आवासीय तथा 224 गैर आवासीय गाँव है। यहाँ छः शहरी क्षेत्र हैं–आरा, जगदीशपुर बिहिया, शाहपुर, पीरो एवं कोईलवर। समुद्र तल से यहाँ की ऊँचाई 192.98 मीटर है। जिले के दो गाँव खवासपुर और सोहरा गंगा नदी के उत्तर में अर्थात् छपरा जिला के मुख्य भूमि से जुड़े हैं। इस जिले के अंतर्गत 14 प्रखण्ड एवं 22 पुलिस स्टेशन हैं।

उद्देश्यः–

प्रस्तुत शोध प्रपत्र का उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान भौतिक एवं मानवीय दशाओं का अध्ययन करते हुए जनसंख्या वितरण का विश्लेषण करना है। इसके साथ ही जनसंख्या के सम वितरण हेतु उपयुक्त अनुकूल मानवीय दशाओं का अध्ययन एवं नियोजन करके सम वितरण को प्रोत्साहन करना है।

आँकड़ों का स्रोतः–

प्रस्तुत शोध पत्र में शोध कार्य के लिए द्वितीयक आँकड़ों को आधार माना गया है। इस कार्य के लिए जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2011 का विस्तृत अध्ययन किया गया है उपर्युक्त आँकड़ों का अंकन एवं विश्लेषण का कार्य भी किया गया है।

जनसंख्या वितरणः–

अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या के वितरण के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 1919 ई0 में कुल जनसंख्या 17,92,771 औ वर्ष 2001 ई0 में 22,33,415 एवं वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार 27,20,155 है। प्रत्येक दशकों में भोजपुर की जनसंख्या

RRIJM 2015, All Rights Reserved

बढ़ती जा रही है। जिसके अंतर्गत 50.78% पुरूष एवं 49. 22% स्त्री जनसंख्या है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या दशकीय वृद्धि 21.63% एवं प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 907 है। सामान्यतः जनसंख्या का वितरण का स्पष्ट स्वरूप तालिका संख्या–1 से दृष्टिगत हैं।

जनसंख्या घनत्व का स्थानिक विश्लेषणः–

जनसंख्या घनत्व से तात्पर्य प्रति इकाई क्षेत्र पर निवास करने वाली जनसंख्या से है। जसंख्या घनत्व जनसंख्या के वितरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन का महत्वपूर्ण माप है। जनसंख्या घनत्व, क्षेत्रफल और जनसंख्या के आनुपातिक सम्बन्ध का द्योतक है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भोजपुर में औसत रूप से एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 1139 व्यक्ति निवास करते हैं। अतः भोजपुर की जनसंख्या का औसत घनत्व 1139 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो देश के औसत घनत्व (382) से काफी अधिक है। सन् 1991 ई0 में 725 व्यक्ति, 2001 में 937 व्यक्ति था। जनसंख्या घनत्व प्रति दशांक बढती जा रही है। इसे तालिका संख्या 2 पर दृष्टिगत है।

तालिका संख्या–1

भोजपुर जिलाः–जनसंख्या वितरण प्रतिरूप 2011

क्र0 सं0	प्रखण्ड	क्षेत्रफल (वर्ग कि0 मी0)	जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग कि0 मी0)
1	शाहपुर	151.43	212170	1401
2	आरा	153.94	462099	3002
3	बड़हरा	208.07	240420	1155
4	कोईलवर	168.46	201822	1197
5	संदेश	132.09	109640	830
6	उदवंतनगर	170.52	157643	924
7	बिहिया	140.07	178227	1272
8	पीरो	218.39	255952	1172
9	चरपोखरी	109.31	101321	926
10	गड़हनी	112.01	103095	920
11	अगियाँव	155.99	148494	952
12	जगदीशपुर	257.78	256159	994
13	सहार	127.29	110575	868
14	तरारी	200.29	182316	910
	कुल योग	**2395.00**	**2720155**	**1136**

स्रोत–जिला सांख्यिकी विभाग, आरा।

अध्ययन क्षेत्र का परिगणितः–

प्रखण्डों के जनसंख्या वितरण के अध्ययन से ज्ञात होता है कि क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व तथा वितरण में असमानता पायी जाती है। सबसे कम जनसंख्या एवं जनसंख्या घनत्व वाला प्रखण्ड संदेश है। यहाँ की जनसंख्या 1,09,640 है तथा घनत्व 830 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। सबसे अधिक जनसंख्या एवं जनसंख्या घनत्व वाला प्रखण्ड आरा है। यहाँ की जनसंख्या 462,099 है तथा जनसंख्या घनत्व 3,002 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। क्योंकि भोजपुर जिला का मुख्यालय आरा होने के कारण इसकी जनसंख्या 2,61,430 है। (2011 की जनगणना के अनुसार) आरा शहर का जनसंख्या घनत्व 8,441 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। छः वैसे प्रखण्ड है जिनका जनसंख्या घनत्व 900 से 1000 के अंतर्गत है, उदवंतनगर (924), चरपोखरी (926), गड़हनी (920), अगिआंव (952), जगदीपुर (994), तरारी (910)।

छः प्रखण्ड ऐसे है, जो जनसंख्या घनत्व में एक हजार प्रतिवर्ग किलोमीटर का आँकड़ा पार कर चुका है। वे प्रखण्ड है–शाहपुर (1401), आरा (3002), बड़हरा (1155), कोईलवर (1197), बिहिया (1272), पीरो (1172) है। इन प्रखण्डों में जनसंख्या अधिक होने का कारण उच्च स्तर का आर्थिक क्रिया कलाप, रोजगार अवसरों की सुविधा, राजमार्ग की सुविधा, रेलमार्ग की सुविधा एवं आरा, एवं कोईलवर, जगदीशपुर प्रखण्डों में पर्यटन स्थल का विकास होना, आदि अधिक जनसंख्या घनत्व को आकर्षित करती है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका संख्या–2
भोजपुर जिला की जनसंख्या में दसवषीय परिवर्त्तन का प्रतिशत
(वर्ष 1901 से 2011)

वर्ष	दसवर्षी परिवर्त्तन का प्रतिशत
1901–1911	–4.96
1911–1921	–2.62
1921–1931	9.88
1931–1941	16.81
1941–1951	15.45
1951–1961	16.05
1961–1971	20.46
1971–1981	21.19
1981–1991	20.26
1991–2000	24.58
2001–2011	21.63

स्रोत–जिला सांख्यिकी विभाग, आरा।

भोजपुर जिला की जनसंख्या में दसवर्षीय परिवर्त्तन का प्रतिशत:–

वर्ष 1991 ई0 में कुल जनसंख्या 17,92,771 (शहाबाद जिला के नाम से जाना जाता था), और वर्ष 2001 ई0 में 22,33415 एवं वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार 2720155 है। प्रत्येक दशकों में भोजपुर की जनसंख्या में दसवर्षीय परिवर्त्तन में वर्ष 1901–11911 ई0 में ऋणात्मक –4.96% एवं वर्ष 1911–1921 में भी ऋणात्मक 2.62% है। इसके बाद दसवर्षीय वृद्धि को तालिका संख्या–2 पर देखा जा सकता है। लेकिन वर्ष 1991–2000 के बीच जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। जिसका दशकीय वृद्धि 24.58% है। वर्ष 2001–2011 के दसवर्षीय वृद्धि में कमी आई है, जिसका 21.63% है। लेकिन वास्तविक जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

निष्कर्ष:–

निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण एवं घनत्व में असमानता पायी जाती है, जिसका मुख्य कारण क्षेत्र में असमानता पायी जाती है, जिसका मुख्य कारण क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक एवं मानवीय दशायें है अर्थात् कह सकते है कि किसी क्षेत्र में उपस्थित अनुकूल एवं प्रतिकूल भौतिक एवं मानवीय दशाओं के कारण जनसंख्या का सम या विषम वितरण पाया जाता है। यद्यपि मानवीय क्रियाओं के सहयोग से क्षेत्र में अनुकूल दशाओं को करके जनसंख्या के सम वितरण को प्रेरित किया जा सकता है। जिससे जनसंख्या का किसी क्षेत्र विशेष पर अधिकाधिक दबाव न पड़े।

संदर्भ

1. District Gazetter of Shahabad 1965
2. चाँदना आर0 सी0 (2009) : जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशन्स नई दिल्ली पृ0 160–170 ।
3. यादव, हीरालाल (2011) : जनसंख्या भूगोल के मूल तत्व, राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली पृ0– 177–188।
4. भोजपुर जिला की ''एक झलक'' (जिला सांख्यिकी आरा) |
5. अताउल्लाह मो0–बिहार का आधुनिक भूगोल।

RRIJM 2015, All Rights Reserved